

# स्वीप संदेश

मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखंड सरकार

May-June 2022 / Vol 8-9



Systematic Voters' Education and Electoral Participation program, better known as SVEEP, is the flagship program of the Election Commission of India for voter education, spreading voter awareness and promoting voter literacy in India. Since 2009, we have been working towards preparing India's electors and equipping them with basic knowledge related to the electoral process.

07-04-2022 को झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (JUIDCO) के अधिकारियों के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड, के.रवि.कुमार की अध्यक्षता में चुनावी भागीदारी पर एक वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें निदेशक नगर प्रशासन निदेशालय, राजेश पाठक और उप निदेशक, नगर प्रशासन निदेशालय, सभी जिलों के उप चुनाव अधिकारी, एसएमएम और सीएमएम ने भाग लिया।



## GOAL!

SVEEP's primary goal is to build a truly participative democracy in India by encouraging all eligible citizens to vote and make an informed decision during the elections.



## पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी)

भारत निर्वाचन आयोग के आदेश दिनांक 25. 05. 2022 के द्वारा पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को 30 दिनों के भीतर 2017-18, 2018-19 और 2019-20 वर्षों के लिए अपनी अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक अंकेक्षित विवरणी और चुनाव व्यय विवरण प्रस्तुत करने झारखण्ड के 38 आरयूपीपी को 30 दिनों में चुनाव आयोग द्वारा मांगी गई निदेश के अनुपालन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

**महासचिव , भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विडिओ कांफ्रेंस के माध्यम से 26 मई 2022 को दिया गया निदेश**

सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी , सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी मतदान क्षेत्र एवं सभी निर्वाचक साक्षरता क्लबों के कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण का बृहद लक्ष्य

**विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2022 से अभियान का प्रारंभ**



## चुनावी स्याही का इतिहास !

भारत में पहली बार चुनाव 1951-52 में हुए थे. इन चुनावों में मतदाताओं की अंगुली में स्याही लगाने का कोई नियम नहीं था. चुनाव आयोग को किसी दूसरे की जगह वोट डालने और दो बार वोट डालने की शिकायतें मिलीं. इन शिकायतों के बाद चुनाव आयोग ने इसे रोकने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया. इनमें सबसे अच्छा तरीका एक अमिट स्याही का इस्तेमाल करने का था.

चुनाव आयोग ने नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी ऑफ इंडिया (NPL) से ऐसी एक स्याही बनाने के बारे में बात की. एनपीएल ने ऐसी स्याही ईजाद की जो पानी या किसी रसायन से भी मिट नहीं सकती थी. एनपीएल ने मैसूर पेंट एंड वार्निश कंपनी को इस स्याही को बनाने का ऑर्डर दिया. साल 1962 में हुए चुनावों में पहली बार इस स्याही का इस्तेमाल किया गया. और तब से अब तक यह स्याही ही हर चुनाव में इस्तेमाल की जाती है.



मतदान के समय हमेशा बाईं हाथ की उंगली पर ही स्याही लगाई जानी चाहिए !

No Voter To Be Left Behind



## What are Electoral Literacy Clubs (ELCs)

Electoral Literacy Club is a platform to engage school/College students through interesting activities and hands-on experience to sensitize them on their electoral rights and familiarise them with the electoral process of registration and voting. ELCs are also present in colleges and rural communities.

At ELCs, learning meets fun. Activities and Games are designed to stimulate and motivate students provoking them to think and ask questions. Through ELC, Election Commission of India, aims at strengthening the culture of electoral participation among young and future voters.

## Chunav Pathshala

Chunav Pathshala are platform to engage the community members, mainly in rural areas, through interesting activities and hands on experience to sensitise them on their electoral rights and familiarise them with the electoral process of registration and voting. Chunav Pathshalas are ELCs specific to rural communities. Activities and Games are designed to stimulate and motivate members provoking them to think and ask questions.

## What are Voter Awareness Forums (VAFs)?



Voter Awareness Forums (VAFs) are informal forums for generating discussions and awareness around the electoral process, on the how, what and where of registration & voting, through the medium of real-time activities. Through VAFs in Government Departments, Government and Non-Government Organizations as well as in Corporates; the Election Commission of India aims to spread voter awareness and facilitate voter education.

